विचार बिन्दु

तृण से हल्की रूई होती है और रूई से भी हल्का याचक। हवा इस डर से उसे नहीं उड़ाती कि कहीं उससे भी कुछ न माँग ले।

–चाणक्य

भारत वैध डिजिटल मुद्रा के युग में प्रवेश को तैयार

भारत अब डिजिटल मुद्रा के युग में प्रवेश करने को तत्पर है। केन्द्रीय वित्त मंत्री इस वित्त वर्ष के बजट में इसकी घोषणा ही नहीं कर चुकी हैं बल्कि वित्त विधेयक में प्रस्तावित डिजिटल मुद्रा के लिए कानूनी ढांचे की व्यवस्था भी कर दी गई है। नई मुद्रा को चलन में लाने के लिये वित्त विधेयक के जरिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया अधिनियम 1934 में संशोधन किया गया है। इसलिए कह सकते हैं कि भारत की अपनी डिजिटल मुद्रा जल्द ही एक वास्तविकता होगी। अब जब नयी डिजिटल तकनीक मानव जीवन के प्रत्येक हिस्से में पसरने लगी है और आभासी डिजिटल जगत में रुपयों का लेनदेन बढ़ता जा रहा है ऐसे में केंद्र सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था में यह महत्वपूर्ण कदम उठाया है। डिजिटल रुपया जारी होने के साथ ही भारत उन चंद देशों में शामिल हो जाएगा, जिनके पास अपनी केन्द्रीय बैंक डिजिटल करेंसी होगी जो फिएट करेंसी के वर्चुअल रूप को संदर्भित करेगी। भारत की यह पहल देश की अर्थव्यवस्था को एक नया आयाम देने का प्रयास है। हालांकि विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक जल्द से जल्द राष्ट्रीय डिजिटल मुद्रा तंत्र को अपनाने पर जोर दे रहे हैं किन्तु अभी तक इने-गिने देश ही इस तरफ कदम बढ़ा पाये हैं। चीन की 'डिजिटल आरएमबी' दुनिया की किसी प्रमुख अर्थव्यवस्था द्वारा जारी की जाने वाली पहली डिजिटल मुद्रा थी। पिछले साल नाइजीरिया केन्द्रीय बैंक डिजिटल करेंसी लॉन्च करने वाला पहला अफ्रीकी देश बन गया। उधर संयुक्त राज्य अमेरिका के फेडरल रिज़र्व बोर्ड की ओर से प्रस्तावित यू.एस. केन्द्रीय बैंक डिजिटल करेंसी के गुणों और अवगुणों की पड़ताल करते हुए एक चर्चा पत्र जारी किया जा चुका है। भारतीय रिज़र्व बैंक ने पिछले साल जुलाई में ही यह स्पष्ट संकेत दे दिया था कि वह अपनी डिजिटल करेंसी की दिशा में काम कर रहा है और इस साल के केन्द्रीय बजट में आभासी पटल के लिए डिजिटल रुपये की कानूनी व्यवस्था कर भी दी गई। हालांकि आरबीआई ने अभी तक डिजिटल रुपये को जारी नहीं किया है मगर केन्द्रीय वित्त मंत्री की घोषणा के अनुसार यह चालू वित्त वर्ष में ही होना है। हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि वह डिजिटल करेंसी की शुरुआत के लिए 'ग्रेडेड अप्रोच' का रास्ता अपना रहा है।

भारतीय अवाम के लिए यह एक नया अनुभव होगा। प्रत्येक देश की मुद्रा वहां की केन्द्रीय बैंक जारी करती है जिसके पीछे राज्य का समर्थन होता है। भारतीय मुद्रा 'रुपया' है जो अभी करेंसी नोट के रूप में चलन में है। एक रुपये का नोट वैध मुद्रा है। इस पर भारत सरकार लिखा होता है और वित्त मंत्रालय के वित्त सचिव के उस पर हस्ताक्षर होते हैं। एक रुपये के अलावा अन्य जितने भी भिन्न-भिन्न मूल्यवर्ग के नोट होते हैं उन्हें भारतीय रिजर्व बैंक जारी करता है और उन पर केन्द्रीय बैंक के गवर्नर के हस्ताक्षर होते हैं और उन पर लिखा होता है कि मैं धारक को (उस पर लिखे रुपये) देने का वचन देता हूं। इसकी गारंटी केंद्र सरकार देती है। कागज के नोटों के चलन से पहले चांदी के सिक्कों की मुद्रा का प्रचलन था। सिक्कों के मूल्य की गारंटी उसमें शामिल चांदी की मात्रा के अनुसार होती थी। आधुनिक समय में मुद्रा कागज की हो गई जिसके मूल्य की गारंटी केंद्र सरकार देती है। इसी के चलते रुपये के सिक्के स्टील या अन्य मिश्र धातुओं के बनने लगे क्योंकि उनकी गारंटी वे खुद नहीं होते। सरकार ने कानून के जरिए यह व्यवस्था कर दी है कि डिजिटल रुपये को भी केंद्र सरकार की गारंटी होगी। यह मुद्रा 'सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी'(सीबीडीसी) कहलाएगी जो फिएट करेंसी के समान ही होगी और उसका फिएट करेंसी के साथ बराबरी से आपसी लेनदेन (वन-टू-वन एक्सचेंजेबल) होगा। केन्द्रीय वित्तमंत्री ने अपने बजट भाषण में बताया कि डिजिटल मुद्रा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग करके जारी की जाएगी। इसी तकनीक के आधार पर क्रिप्टोकरेंसी भी काम करती है। भारतीय डिजिटल मुद्रा की परिभाषा करते हुए आरबीआई ने पिछले साल कहा था किसी बीडीसी एक डिजिटल या आभासी मुद्रा होगी। लेकिन उसकी क्रिप्टोकरेंसी जैसी निजी आभासी मुद्राओं से तुलना नहीं की जा सकती है जो पिछले एक दशक में खूब बढ़ी हैं। डिजिटल रुपया अनिवार्य रूप से भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समर्थित रुपये का डिजिटल प्रतिनिधित्व करने जा रहा है। हम जानते हैं कि भारतीय रिजर्व बैंक पिछले कुछ समय से रुपये की डिजिटल मुद्रा और निजी क्रिप्टोकरेंसी की विभिन्न विशेषताओं पर मंथन करता रहा है। अपनी खुद की वैध डिजिटल करेंसी के तरीकों पर काम करते हुए आरबीआई ने निजी क्रिप्टोकरेंसी के बारे में गंभीर संदेह व्यक्त किये थे। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास पहले ही कह चुके हैं कि वृहद-आर्थिक और वित्तीय स्थिरता के नजरिए से निजी क्रिप्टोकरंसी एक बहुत ही गंभीर चिंता का विषय है। उससे निबटने के लिए वित्त मंत्री ने बजट में घोषणा की कि 1 अप्रैल, 2022 से क्रिप्टोकरेंसी और अन्य आभासी संपत्ति पर उच्चतम दर 30 प्रतिशत का आयकर लगेगा। इससे निजी आभासी दुनिया में सट्टा खेल को रोकने में मदद मिलेगी, खासकर क्रिप्टोकरेंसी के जगत में। यह भी सच है कि निजी क्रिप्टोकरेंसी के प्रति लोगों के उन्माद के कारण ही 'सीबीडीसी' के तेजी से विकास में योगदान मिला है। हालांकि डिजिटल रुपया निजी क्रिप्टोकरेंसी की प्रत्यक्ष जगह नहीं ले सकता है क्योंकि यह भिन्न उद्देश्यों के लिए होगा। क्रिप्टोकरेंसी एक प्रकार का सट्टा होता है जिसका कोई नियंत्रक नहीं होता। हालांकि बिटकॉइन भी अंतर्निहित ब्लॉकचेन तकनीक पर ही निर्मित एक क्रिप्टोकरेंसी है मगर वह उपयोगकर्ताओं को गुमनाम रहने की अनुमति देता है। अर्थात वहां खरीददार और बिक्री करने वाले दोनों गुमनाम होते हैं। यह भी किसी को पता नहीं होता कि क्रिप्टोकरेंसी कौन चला रहा है जबकि आधिकारिक डिजिटल मुद्रा को आरबीआई का समर्थन प्राप्त होगा। बताया जाता है कि भारत सरकार 'सीबीडीसी' को दो रूपों में अपनाने पर विचार कर रही है, थोक सीबीडीसी और खुदरा सीबीडीसी।

> **भारत अकेला देश नहीं है जो डिजिटल कानूनी निविदा प्रणाली को लागू करने का प्रयास कर रहा है। यह वक़्त की जरूरत है। दुनिया भर के विभिन्न केंद्रीय बैंक डिजिटल डॉलर, ई-युआन और डिजिटल यूरो जैसी परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। वित्त व्यवस्था से जुड़े लोग भी मानते हैं कि डिजिटल रुपया भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक गेम-चेंजर साबित हो सकता है क्योंकि यह नवाचार, मौद्रिक दक्षता और एक मजबूत अर्थव्यवस्था के लिए नए रास्ते खोलता है।**

अर्थव्यवस्था में राज्य समर्थित डिजिटल मुद्रा को लाने के लिए नई तकनीक की जटिलताओं को साधना जरूरी है। इसकी तैयारी के लिए आरबीआई अपने 'रिज़र्व बैंक इनोवेशन हब' नाम की एक सहायक कंपनी पहले ही बना चुकी है। स्थायी और संस्थागत तरीके से नवाचार का समर्थन करने की व्यवस्था करने वाली बेंगलुरू में स्थापित यह कंपनी आरबीआई की पूर्ण स्वामित्व वाली संस्था है जिसमें एक स्वतंत्र निदेशक मंडल है जिसमें उद्योग और शिक्षाविदों का प्रतिनिधित्व भी हैं। 'आरबीआई इनोवेशन हब' वित्तीय क्षेत्र के संस्थानों, प्रौद्योगिकी, उद्योग और शैक्षिणक संस्थानों के साथ सहयोग करेगा ताकि वित्तीय नवाचारों से संबंधित विचारों के आदान-प्रदान और प्रोटोटाइप के विकास के प्रयासों का आपस में समन्वय किया जा सके और एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाया जा सके जो वित्तीय सेवाओं तथा उत्पाद तक पहुंच को बढ़ावा दे और वित्तीय समावेशन को मदद करे। इससे फिनटेक अनुसंधान को भी समर्थन मिलेगा। यह उद्यमियों और नवोन्मेषकों के साथ सहयोग की जमीन तैयार करते हुए आवश्यक आंतरिक बुनियादी ढांचा भी प्रदान करेगा। सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी, मूल्य हस्तांतरण के तरीके को बदलने की अपनी अंतर्निहित क्षमता के कारण, घरों, व्यवसायों और अर्थव्यवस्थाओं के लिए अधिक लचीली, नवीन और प्रतिस्पर्धी भुगतान प्रणाली प्रदान करेगी। भारत के सॉवरेन-समर्थित डिजिटल रुपये में भौतिक रुपये के समान ही ट्रैपिंग और विश्वास का स्तर होगा और नवीनतम तकनीकों का समावेश होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह अधिक कुशल, कम खर्चीला, पारदर्शी और सुरक्षित होगा। भारत अकेला देश नहीं है जो डिजिटल कानूनी निविदा प्रणाली को लागू करने का प्रयास कर रहा है। यह वक़्त की जरूरत है। दुनिया भर के विभिन्न केंद्रीय बैंक डिजिटल डॉलर, ई-युआन और डिजिटल यूरो जैसी परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। वित्त व्यवस्था से जुड़े लोग भी मानते हैं कि डिजिटल रुपया भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक गेम-चेंजर साबित हो सकता है क्योंकि यह नवाचार, मौद्रिक दक्षता और एक मजबूत अर्थव्यवस्था के लिए नए रास्ते खोलता है। यह भी कि दीर्घावधि में आने वाले दशकों में भारत के पास एक वैश्विक वित्तीय प्रौद्योगिकी नेता के रूप में उभरने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा होगा।

आरबीआई गवर्नर का यह कहना आश्वासन देता है कि रिज़र्व बैंक जल्दबाजी नहीं करना चाहता और सीबीडीसी की शुरुआत से पहले सभी पहलुओं की सावधानीपूर्वक जांच कर रहा है। उनका भी यही कहना है कि इससे अर्थव्यवस्था को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। आर्थिक व्यवस्था के विशेषज्ञ मानते हैं कि आरबीआई को दी गई विनियमन शक्तियों से अनियमित डिजिटल मुद्राओं के उपयोग पर विसंगतियां समाप्त हो सकेगी। साथ ही आरबीआई द्वारा जारी किए जाने वाले डिजिटल रुपये से छपाई की लागत में कमी आएगी, निपटान जोखिम में भी कमी आएगी और टाइम ज़ोन के मुद्दों से बचने और लागत प्रभावी भुगतान प्रणाली की व्यवस्था हो सकेगी। सभी चाहते हैं कि केंद्रीय डिजिटल मुद्रा का डिज़ाइन उसकी मौद्रिक नीति, वित्तीय स्थिरता और मुद्रा और भुगतान प्रणालियों के कुशल संचालन के उद्देश्यों के अनुरूप होनी चाहिए। यह अच्छी बात है कि सीबीडीसी के लिए प्रयुक्त डिजाइन तत्वों की जांच पर ध्यान दिया जा रहा है ताकि उन्हें बहुत कम या बिना किसी व्यवधान के लागू किया जा सके। ऐसा इसलिए जरूरी है क्योंकि डिजिटल रूपया फिएट मुद्रा के समान और फिएट मुद्रा के साथ आपस में विनिमय योग्य होना है। उनके और पारंपरिक नकद या फिएट मुद्रा के बीच एकमात्र अंतर रुपये का डिजिटल हैं होना है इसके अलावा कुछ नहीं।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

चूरू में चंदन का चितेरा है स्वर्गीय मालचंद जांगिड़ बादाम वाले का पूरा परिवार

पन्नालाल मेघवाल

चन्दन की लकडी पर नक्काशी कार्य के लिए चूरू के स्वर्गीय मालचंद जांगिड़ का परिवार देश ही नहीं विदेशों में भी ख्याति प्राप्त है। इस परिवार के सदस्यों को जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के अनेक पुरस्कार मिले हैं। परिवार के नौ सदस्यों को बारह राष्ट्रीय योग्यता पुरस्कार, राष्ट्रपति पुरस्कार एवं शिल्प गुरु पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। इस परिवार के सदस्यों के नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स एवं इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है।

चूरू के स्वर्गीय मालचंद जांगिड़ को बादाम वाले कलाकार या मालजी कलाकार के नाम से जाना जाता था। प्रारंभ में स्वर्गीय मालचंद जांगिड़ कोठारी-सुराणा आदि धनवान सेठों की हवेलियों में लकडी की चौखट और दरवाजों पर नक्काशी का काम करते थे। उन्होंने सन् 1950 में चंदन की लकडी पर खुलने वाला बादाम एवं अखरोट बनाए। इन पर बारीकी से देवी देवताओं की मूर्तियां उकेर कर इस कला को नए आयाम दिए।

स्वर्गीय मालचंद जांगिड़ परिवार के सदस्य चन्दन की लकडी पर बारीक खुदाई करके किले, दुर्ग, हवेलियां, विजय स्तम्भ, विष्णु दरबार, रामलीला, कृष्ण लीला, ताजमहल, रथ, शंख, तलवार, पंखी, गुलदस्ता, लोकेट, सीप, बादाम एवं तरबूज का बीज आदि अनेक कलाकृतियाँ निर्मित करते हैं।

भारत में चंदन की लकड़ी पर बारीक नक्काशी का कार्य करने वाला चूरू का एक मात्र जांगिड़ परिवार है। इस परिवार में इस काम को करते हुए चौथी पीढ़ी कमलेश, कपिल, मोहित, रोहित, राहुल, मनीष, गौतम, पंकज एवं शुभम भी विविध कलाकृतियां निर्मित कर कला पारखियों को चमत्कृत कर रहे हैं।

इनकी कलाकृतियों में एक ओर जहां राजस्थान के शौर्यपूर्ण इतिहास का दिग्दर्शन होता है वहीं दूसरी ओर जनजीवन की वास्तविक झाँकिया दर्शकों के सामाने साकार हो उठती हैं। इनके द्वारा चन्दन की लकडी से निर्मित सामान्य जन-जीवन संदर्भित कृतियों से लेकर राजस्थान के वीरों, वीर गाथाओं एवं प्रसिद्व ऐतिहासिक स्थलों की कलाकृतियां अपनी अलग ही पहचान प्रस्तुत करती हैं।

स्वर्गीय मालचंद जांगिड़ स्वयं सन् 1972 में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं। उनके बड़े पुत्र चौथमल जांगिड़ सन् 1973 में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित हुए हैं। उन्होंने चन्दन की लकड़ी पर 65 से.मी. लंबी तलवार बनाई थी। इसकी विभिन्न परतों में राजस्थान शौर्य की पूर्ण गाथा उत्कीर्ण थी। महेशचंद्र जांगिड ने सन् 1993 में चन्दन काष्ठ से निर्मित नारियल में कृष्ण द्वारा नागफन पर बंशी बजाते हुए एवं स्नान करती हुई गोपियों के वस्त्र चुराने के दृश्यांकन पर राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया था।

विनोद कुमार जॉंगिड ने सन् 1995 में चन्दन की लकडी का एक गुलदस्ता बनाया था। इस गुलदस्ते में द्रोपदी का चीर हरण, भीष्म पितामह के शैय्या पर लेटने, अर्जुन द्वारा बाण मारकर धरती से पानी निकालते हुए श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को गीता का उपदेश देते हुए, एकलव्य अपना अंगूठा काटकर देते हुए तथा पाण्डवों द्वारा वनगमन का दृश्य निर्मित किया था। इस गुलदस्ते पर विनोद जॉंगिड को राष्ट्रपति पुरस्कार मिला था।

सन् 1998 में पवन कुमार एवं सीताराम जांगिड़ को राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। सन् 2005 में नवरतन मल जांगिड़ राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित हुए। उन्होंने सीप में शेषनाग की शैय्या पर भगवान विष्णु और पैर दिखाते हुए लक्ष्मीजी एवं कमल पर आसीन ब्रह्मा को उत्कीर्ण किया था। सन् 2011 में कमलेश कुमार जांगिड़ एवं सन् 2018 में ओम प्रकाश जांगिड़ को राष्ट्रपति पुरस्कार से नवाजा गया है।

पन्नालाल मेघवाल
वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार।

वर्ष के 365 दिन अनवरत चलता है "रोटी बैंक"

- **कोई भूखा न सोये इस उद्देश्य से कर दी रोटी बैंक की स्थापना**

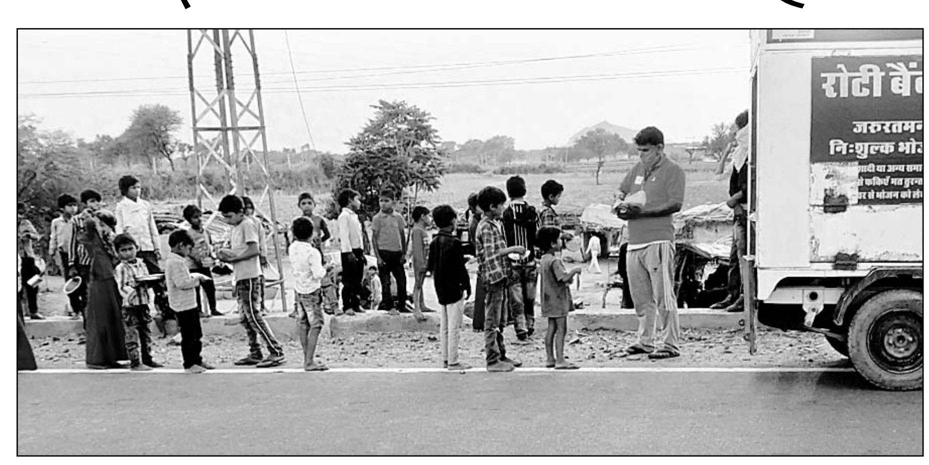

बानसूर में लोगों की भूख मिटाने के लिए रोटी बैंक संचालित किया जा रहा है।

बानसूर, (निसं)। कहते हैं जीवन में जब कुछ कर गुजरने का जुनुन सवार हो जाता है तो व्यक्ति वह सब करने में बखुबी कामयाब हो जाता है जिसकी वह चाह करता है।

बानसूर कस्बे निवासी आर सी यादव में खुद का निजी विद्यालय संचालित कर रहे हैं। यादव को निजी विद्यालय से आमदनी मिलना शुरू हुआ तो यादव ने अपने सपने को 8 अप्रैल 2016 को साकार रूप देते हुए रोटी बैंक की स्थापना की। जिसका मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे रखा गया। आर सी यादव ने बानसूर कस्बे में एक ऐसा बैंक स्थापित किया है जो भूख को शांत करने के लिए रोटी का लेनदेन होता है।

कोई भी व्यक्ति एक रुपया से इस बैंक का सदस्य बन सकता है रोटी बैंक के द्वारा प्रतिदिन गरीब, बेसहारा, साधु संतों एवं जरूरतमंदों को निःशुल्क भोजन खिलाया जाता है कस्बे के बाईपास स्थित रोटी बैंक में रोजाना शाम के समय लोगों को भोजन करते हुए देखा जा सकता है।

रोटी बैंक द्वारा प्रतिदिन अस्पताल परिसर में शाम 6 बजे से 8 बजे तक सभी मरीजों एवं मरीजों के साथ आए परिजनों को निःशुल्क खाना खिलाया जाता है। साथ ही गरीब व जरूरतमंद व्यक्तियों को बाईपास रोड पर 5 बजे से निःशुल्क खाना खिलाया जाता है। रोटी बैंक प्रतिदिन ताजा खाना उपलब्ध करवाता है बैंक की टीम खाने में ताजा दाल और चपाती लेकर अस्पताल पहुंचती है।

रोटी बैंक के संचालक पिछले 5 साल से स्वयं के खर्चे पर जरूरतमंद लोगों को दाल रोटी खिलाकर इस मिशन को आगे बढ़ा रहे हैं। बैंक के द्वारा कपड़ा वितरण संग्रहण केंद्र भी स्थापित है इसके माध्यम से कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति कस्बे के मध्य कोटपूतली बस स्टैंड बानसूर से निःशुल्क वस्त्र प्राप्त कर सकता है तथा कोई भी व्यक्ति अपने नए एवं पुराने वस्त्र दान कर सकते हैं।

रोटी बैंक बानसूर द्वारा मोबाइल पर एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया हुआ है जिसके माध्यम से या अन्य सूचनाओं के माध्यम से शादी विवाह भंडारे व अन्य कार्यक्रमों में शेष बचे भोजन की सूचना प्राप्त होने पर बैंक द्वारा वहां से भोजन लेकर रोटी बैंक की वैन के माध्यम से कच्ची बस्ती स्थित जररूरत मंद लोगो तक पहुंचाया जाता है।

चाकसू में खण्डहर हो रहे हैं सार्वजनिक निर्माण विभाग के पुराने भवन

- **यहां कनिष्ठ अभियंता, सहायक अभियंता एवं अधिशासी अभियंता तक का कार्यालय है**
- **पुराने भवन का लोगों ने सार्वजनिक शौचालय के रुप में उपयोग शुरू कर दिया है**

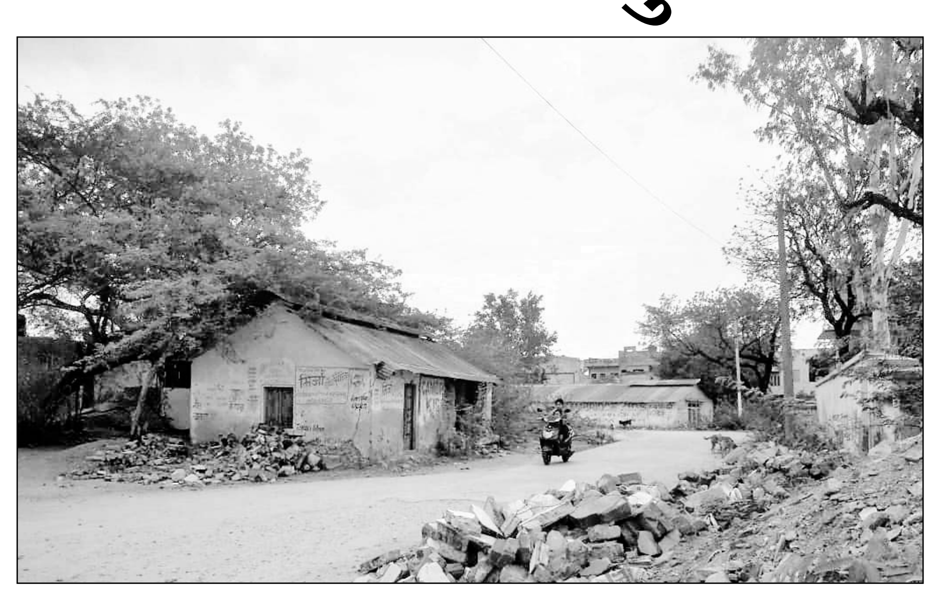

चाकसू में सार्वजनिक विभाग के बर्बाद होते पुराने भवन।

चाकसू, (निसं)। यहां चम्पेश्वर महादेव मंदिर परिसर के नजदीक स्थित सार्वजनिक विभाग का पुराना डाक बंगला (विश्राम गृह) लम्बे चौड़े परिसर में अपनी पुरानी गरिमा लिए खड़ा है। इसी के आसपास गोदाम एवं कर्मचारियों के आवास बने हुए हैं। अभी अभी सार्वजनिक विभाग के बड़े अधिकारी का नया भवन तैयार हो गया है।

विभाग ने अपनी सम्पत्ति को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से सुरक्षा दीवार भी बनवाई है लेकिन कर्मचारियों के लिए बनाए गए पुराने आवास एवं भंडार गृह जिनके ऊपर सीमेंट के टीनशैड अभी भी रखें हुए हैं लेकिन सार संभाल एवं मरम्मत के अभाव में गर्मी सर्दी एवं बरसात के थपेड़ों के कारण धीरे -धीरे जर्जर होने लग गये तथा कुछ की दीवारें गिर गई हैं।

अधिकारियों एवं कर्मचारियों की लापरवाही के चलते कुछ किवाड़ खिड़कियां तक गायब हो गई हैं। लोगों को आश्चर्य इस बात का हो रहा है की यहां कनिष्ठ अभियंता, सहायक अभियंता एवं अधिशासी अभियंता तक का कार्यालय है। विभाग के पुराने वैभव की बर्बादी इन सभी से छिपी हुई नहीं है लेकिन इनकी सुरक्षा का कोई प्रबंध नहीं कर रहे हैं।

लोगों ने इनका सार्वजनिक शौचालय के रुप में उपयोग शुरू कर दिया है। वार्ड पार्षद एवं चम्पेश्वर कॉलोनी में निवास कर रहे जागरूक युवा पार्षद दिनेश शर्मा ने बताया कि विभाग के अधिकारियों को विभाग की बर्बाद हो रही सम्पत्ति के बारे में अनेक बार जानकारी दे दी गई लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा।

राशिफल बुधवार 8 जून, 2022

पंडित अनिल शर्मा

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2079, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 4:31 तक, सिद्धि योग रात्रि 3:26 तक, बव करण प्रातः 8:31 तक, चन्द्रमा प्रातः 10:04 से कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-वृष, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-मीन, बुध-वृष, गुरू-मीन, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग दिन 12:37 तक है और सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 4:31 से सूर्योदय तक है। आज दुर्गाष्टमी, बुधाष्टमी, धूमावती जयन्ती और मेला क्षीर भवानी है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:01 तक, शुभ 10:42 से 12:26 तक, चर 3:50 से 5:33 तक, लाभ 5:33 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:36, सूर्यास्त 7:15

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। धार्मिक कार्यों में धन खर्च हो सकता है।

वृष
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों में चल रही परेशानी दूर होने लगेगी। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। धन हानि का भय है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय स्थिति में सुधार होगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। दिनचर्या में सुधार होगा।